अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) दिनांक 24.12.2012

तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

प्र.1 किन्हीं चौदह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 14

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (सात प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) नेतृत्व के कितने व कौन–कौन से रूप हो सकते हैं?

(ख) मुनि वेणीरामजी किससे चर्चा करने के लिये थली जाना चाहते थे?

(ग) 'गणतत्ति विप्पमुक्को' का क्या अर्थ है?

(घ) हेमराजजी द्वारा सिरियारी में साधु–साध्वियों को भेजने की बात का स्वामीजी ने क्या जवाब दिया?

(ङ) आचार्य भिक्षु के नेतृत्व की शैली क्या थी?

(च) 'आपका ऐसा संकड़ा मार्ग कितने समय तक चलेगा' के उत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(छ) आचार्य भिक्षु ने किसे महत्व देकर एक नई जीवन शैली का सूत्रपात किया था?

(ज) निश्चय नय और व्यवहार नय कौन–कौन से अनुशासन को महत्व देते हैं?

(झ) विकास का बड़ा आधाार क्या है?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (कोई सात प्रश्नों का उत्तर दें)

(ञ) विचारों की चिरजीविता का आधार क्या है?

(ट) जितने तीर्थंकर अतीत में हुए, वर्तमान में हैं और भविष्य में होंगे, वे किस की प्ररूपणा करते हैं?

(ठ) विभाज्यवाद का क्या अर्थ है?

(ड) समाजोपयोगी प्रवृत्तियों में सावद्य और निरवद्य का एक–एक उदाहरण दें।

(ढ) आचार्य भिक्षु ने लोकोत्तर धर्म की क्या कसौटी दी है?

(ण) वर्तमान युग में अहिंसा के सिद्धान्त के साथ साधन–शुद्धि पर बल देने वाले किन्हीं दो विचारकों के नाम लिखें।

(त) विनोबा भावे के अनुसार भिक्षा मांगने का अधिकार किसे है?

(थ) भगवान महावीर ने आत्मोन्नति के कौन से दो मार्ग बताये हैं?

(द) तेरापंथ की शासन प्रणाली के लिये उपयुक्त शब्द क्या है?

आचार्य भिक्षु की अनुशासनशैली – 23

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) भगवान महावीर के धर्मशासन में कितने साधु और साध्वियाँ थे? उनकी व्यवस्था के लिये कितने पद निर्धारित थे, नाम लिखें।

(ख) दर्शन मोह और चारित्र मोह के क्षयोपशम से क्या होता है?

(ग) 'इदं तत्वं केवलीगम्यम्' का फलित क्या है?

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) 'एक सच्चे नेता में कौन–कौन से गुण होने चाहिये।' आचार्य भिक्षु के व्यक्तित्व के आधार पर वर्णन करें।

(ख) 'भाई–भतीजावाद की नीति व्यक्ति को दीर्घकालीन सफलता नहीं दे सकती।' आचार्य भिक्षु द्वारा युवाचार्य मनोनयन के संदर्भ में प्रस्तुत विचार की समीक्षा करें।

प्र.4 'आचार्य भिक्षु के अनुशासन के मनोविज्ञान स्वरूप को।' घटनाओं के माध्यम से सिद्ध करें। 12

'अथवा'

दलबन्दी की समस्या को रोकने के लिये आचार्य भिक्षु ने क्या उपाय किये?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता – 23

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) सबल के चंगुल से निर्बल को मुक्त कराना क्या आध्यात्मिकता की श्रेणी में आता है?

(ख) लोकमान्य तिलक के अनुसार धर्म शब्द के दो पृथक अर्थ कौन से हैं?

(ग) भगवान महावीर ने जीवन के अनिवार्य कार्यों के संपादन हेतु श्रमण के लिये किन–किन नियमों का निर्देश दिया?

प्र.6 100 से 150 शब्दों में एक टिप्पणी लिखें। 6

(क) 'वर्तमान तर्क के युग में भी श्रद्धा सर्वोपरी है।' इस विषय में अल्बर्ट आइंस्टीन के विचार बतायें।

'अथवा'

(ख) संयम के आधार पर मनुष्य की तीन कोटियों का वर्णन करें।

प्र.7 असंयमी जीवों को बचाने के संदर्भ में आचार्य भिक्षु की स्पष्ट शब्दावली लिखें। 12

'अथवा'

सम्पन्न व्यक्तियों को जरूरतमंद व्यक्तियों के प्रति दया–भाव रखना चाहिये।' यह धारणा अनैतिकता और अहंकार को बढ़ाने वाली है, सिद्ध करें।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.8 किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 5

(क) भगवान महावीर ने कुशिष्य गोशालक को बचाया पर अपने दो साधुओं को क्यों नहीं बचाया?

(ख) जिनेश्वर देव की दया का रहस्य क्या है?

(ग) भिक्षु स्वामी ने सावद्य अनुकंपा की तुलना किससे की है?

(घ) तेज गर्मी में प्यास से 100 साधु मर रहे हैं, किसी ने अनुकम्पा कर उन्हें अशुद्ध आहार–पानी दिया, यह अनुकंपा सावद्य है या निरवद्य?

(ड.) अरणक श्रावक ने देव उपसर्ग होने पर क्या किया?

(च) भगवान महावीर पर नाना प्रकार के कष्ट आये फिर भी सम्यक् दृष्टि देवों ने उन कष्टों से उनकी रक्षा क्यों नहीं की?

(छ) भगवान बिना बुलाये कहाँ जाते हैं?

प्र.9 ढाल चार का सार संक्षेप में लिखें। 10

'अथवा'

जीव के जीने या मरने से किसी को पाप या धर्म नहीं होता। जो मरता है हिंसा उसी को है, जो नहीं मारता धर्म उसी को है। ढ़ाल 5 के आधार पर स्पष्ट करें।

प्र.10किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) छः लेश्या हूंती जद वीर में जी, हूँता आठूंई कर्म।
छद्मस्थ चूका तिण समे जी, मूर्ख थापे धर्म।।

(ख) इम अवस उदे मोह आवियो, नही टाल सक्या जगनाथ।
ते तो न्याय न जाणीयो, त्यांरे मांहे मूल मिथ्यान।।

(ग) मछ गलागल मंड रही, सारा दीप समुद्रा माँयरे।
भगवंत कहे जो इन्द्र ने, तो थोड़ा में दीये मिटाय रे।।

(घ) करमां करने जीवड़ा, उपजे न मर जाये।
असंजम जीतव्य तेहनो, ते साधु न करे उपाय।।

भिक्षुवाणी

प्र10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 10

(क) अविनीत

(ख) साधू

(ग) स्त्री

(घ) पाप

(ङ) दया